अनाहत-रमित लंदन स्क्वाश क्लासिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में :11 मिनट में जीतीं अनाहत; वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने हराया

लंदन

लंदन में खेले जा रहे लंदन स्क्वाश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 30वें नंबर की मरियम मेटवाली को सिर्फ 11 मिनट में 11-3, 11-2 से हराया।

वहीं, 42वें नंबर के रमित ने कतर के 61वें नंबर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 20 मिनट में 11-6, 11-7 से मात दी। हालांकि, 38वें नंबर के वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के यैनिक विल्हेमी के खिलाफ 9-11, 9-11 से हार मिली।

अनाहत ने 11 मिनट में जीता मुकाबला

अनाहत ने मरियम मेटवाली के खिलाफ शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम 11-3 से जीता और दूसरे गेम में सिर्फ दो अंक गंवाते हुए 11-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच खत्म करने में उन्हें केवल 11 मिनट लगे।अब प्री-क्वार्टर फाइनल में अनाहत का सामना बेल्जियम की दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी नेले गिलिस से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

अनाहत ने हाल ही में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

रमित ने 20 मिनट में अल-तमीमी को हराया

पुरुष एकल में रमित टंडन ने अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। 20 मिनट चले मुकाबले में रमित ने दोनों गेम अपने नाम किए और अगले दौर में जगह बनाई।

प्री-क्वार्टर फाइनल में रमित का सामना टूर्नामेंट के आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा। मिस्र में जन्मे एलशोरबागी अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वीर चोतरानी दो गेम में हारे

भारत के वीर चोतरानी को पहले दौर में दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी यैनिक विल्हेमी ने 11-9, 11-9 से हराया। दोनों गेम में मुकाबला करीबी रहा, लेकिन स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने दोनों गेम में 11 अंक पूरे कर मैच जीत लिया। अनाहत और वीर दोनों आगामी एशियन गेम्स के लिए भारत के स्क्वैश दल का हिस्सा हैं। एशियन गेम्स जापान के आइची-नागोया में होंगे।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्स: विक्टर लाई से सीधे गेम में हारकर लक्ष्य सेन हुए बाहर

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का चाइना मास्टर्स में अभियान समाप्त हो गया। राउंड आफ 32 के मुकाबले में लक्ष्य को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ सीधे गेम में 14-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ विक्टर लाई के खिलाफ लक्ष्य सेन का इस साल का रिकार्ड और खराब हो गया है। दोनों के बीच 2026 में खेले गए चार मुकाबलों में लाई ने तीन बार जीत दर्ज की है। उन्होंने थामस कप और जुलाई में चाइना ओपन के राउंड आफ 16 में भी लक्ष्य को हराया था। हालांकि, दोनों के बीच इस साल पहली भिड़ंत में लक्ष्य ने जीत दर्ज की थी। मार्च में आल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में लक्ष्य ने लाई को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-15 से हराया था। लक्ष्य सेन के लिए यह लगातार दूसरा निराशाजनक टूर्नामेंट रहा। नई दिल्ली में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में उन्हें दूसरे दौर में अमेरिका के गैरेट टैन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। चाइना मास्टर्स में उन्हें शुरुआत में फ्रांस के एलेक्स लानिएर के खिलाफ खेलना था, लेकिन दिल्ली में खिताब जीतने के बाद लानिएर के हटने से लक्ष्य का सामना एक बार फिर लाई से हुआ। श्रीकांत की शानदार जीत दिन के पहले मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ची यू-रेन को 21-16, 21-15 से हराकर राउंड आफ 16 में जगह बनाई। श्रीकांत ने पहले गेम में दबदबा बनाया और दूसरे गेम में भी संयम बरतते हुए मुकाबला अपने नाम किया। यू-रेन ने 2023 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था और उसी टूर्नामेंट में उन्होंने श्रीकांत को पहले दौर में हराया था। इस बार श्रीकांत ने हिसाब बराबर कर लिया।

डोपिंग में फंसे ईरानी पैरा एथलीट जावनमर्दी, आईपीसी ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

बान (जर्मनी)। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) ने ईरान के पैरा एथलीट सैयद अलीअसगर जावनमर्दी पर डोपिंग मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही नई दिल्ली में आयोजित 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष शाट पुट एफ35 स्पर्धा में जीता उनका स्वर्ण पदक भी रद्द कर दिया गया है। जावनमर्दी के दो मूत्र नमूनों में प्रतिबंधित पदार्थ आक्सांड्रोलोन पाया गया था। पहला नमूना 22 सितंबर 2025 को ईरान की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (ईरान नाडो) ने प्रतियोगिता से बाहर लिया था, जबकि दूसरा नमूना 24 सितंबर को नई दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप के दौरान आईपीसी ने लिया था। दोनों नमूनों में मिले परिणामों को एक ही डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन (एडीआरवी) माना गया। आक्सांड्रोलोन विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2025 प्रतिबंधित सूची में एनाबालिक एंड्रोजेनिक स्टेरायड की श्रेणी में शामिल है। आईपीसी ने 28 अक्टूबर 2025 को मामले का अंतिम फैसला आने तक जावनमर्दी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था।

मेसी की कमाई के सामने दूर-दूर तक नहीं टिकते क्रिकेटर

बार्सिलोना। अर्जेंटीना के महान फुटबालर लियोनल मेसी ने अचानक ही खेल से संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया है। मेसी ने मैदान में जिस तेजी से गोल किये हैं। उसी तेजी से अपने दो दशक के करियर में कमाई भी की है। वह विश्व के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक है। फुटबाल दुनिया के सबसे लोकप्रिय और देखे जाने वाले खेलों में से एक है, और इसमें शीर्ष खिलाड़ियों को भारी भरकम राशि मिलती है और ये क्रिकेटरों को मिलने वाली रकम से कई गुना अधिक है या यूं कहें तो स्टार क्रिकेटर जितनी रकम अपने करियर में कमा पाते हैं उतनी तो दिग्गज फुटबालर एक साल में ही कमा लेते हैं। ऐसे में मेसी जैसे दिग्गज खिलाड़ी की उनकी कमाई और संपत्ति कितनी होगी इसके अनुमान लगाये जा सकते हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसाल मेसी की अनुमानित नेटवर्थ वर्तमान में लगभग 1.1 अरब डालर है। भारतीय मुद्रा में यह आंकड़ा 10,450 करोड़ रुपये के करीब बैठता है। यह राशि उनके पिछले दो दशकों के शानदार करियर और खेल जगत में उनके अद्वितीय प्रभाव को दिखाती है। केवल उनकी कुल संपत्ति ही नहीं, बल्कि उनकी सालाना कमाई भी जानकार आप हैरान हो जाएंगे। फोर्ब्स की 2026 की सूची के अनुसार, मेसी विश्व के तीसरे सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट थे, जिनकी सालाना आय 140 मिलियन डालर बताई गई थी।

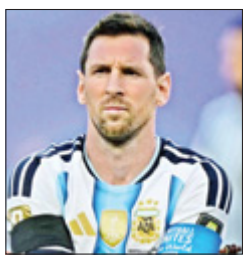

माया बाउचियर के शतक से इंग्लैंड ने रचा इतिहास, आयरलैंड के खिलाफ छह विकेट से दर्ज की जीत

लीसेस्टर

सलामी बल्लेबाज माया बाउचियर के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज पूरा किया। इंग्लैंड ने 282 रन के लक्ष्य को महज 38.1 ओवर में चार विकेट खोकर 283 रन बनाकर हासिल कर लिया और छह विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 281 रन बनाए थे। जवाब में बाउचियर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 95 गेंदों पर 104 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 11 चौके शामिल रहे। बाउचियर ने सोफिया डंकली के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 गेंदों में 143 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डंकली ने 61 गेंदों पर 73 रन बनाए। दोनों ने इंग्लैंड को शुरुआत से ही मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

डंकली ने 40 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि बाउचियर ने 53 गेंदों में पचास रन पूरे किए। दोनों की तेज बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 72 रन बना लिए थे।

आयरलैंड की कारा मरे ने 20वें ओवर में डंकली को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने अगले ओवर में जोडी ग्रेकाक को भी पवेलियन भेजा। हालांकि, बाउचियर और एलिस कैप्सी ने 50 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की जीत की राह आसान कर दी।

बाउचियर ने 31वें ओवर में 91 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, लेकिन अगले ही ओवर में मरे ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद फ्रेया केम्प ने 22 गेंदों पर 36 रन की तेज पारी खेलकर आयरलैंड की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं। कैप्सी ने नाबाद 41 रन बनाए और चौका लगाकर इंग्लैंड को रिकार्ड लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

आयरलैंड की मजबूत शुरुआत

इससे पहले आयरलैंड ने गैबी लुईस और एमी हंटर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मजबूत स्कोर खड़ा किया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 152 गेंदों में 136 रन की साझेदारी की। लुईस ने 69 और हंटर ने 62 रन बनाए।

30वें ओवर के बाद आयरलैंड ने 7.1 ओवर के भीतर तीन विकेट गंवा दिए थे और उसका स्कोर 250 रन के आसपास पहुंचने पर भी संशय था। लेकिन लिया पाल और रेबेका स्टोकल ने 71 गेंदों में 84 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। स्टोकल 54 रन बनाकर नाबाद रहीं।

आयरलैंड ने अंतिम 10 ओवर में 77 रन जोड़कर इंग्लैंड के सामने 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा, लेकिन बाउचियर की तूफानी पारी के सामने यह स्कोर भी छोटा साबित हुआ।

संक्षिप्त स्कोर:

आयरलैंड: 281/5 (50 ओवर) — गैबी लुईस 69, एमी हंटर 62, रेबेका स्टोकल नाबाद 54; चार्ली डीन 2/44, इस्सी वोंग 2/57।

इंग्लैंड: 283/4 (38.1 ओवर) — माया बाउचियर 104, सोफिया डंकली 73, एलिस कैप्सी नाबाद 41; कारा मरे 3/58।

परिणाम: इंग्लैंड छह विकेट से विजयी।

यूएस ओपन: राइबाकिना, गाफ, कीज और एंड्रीवा की दमदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचीं

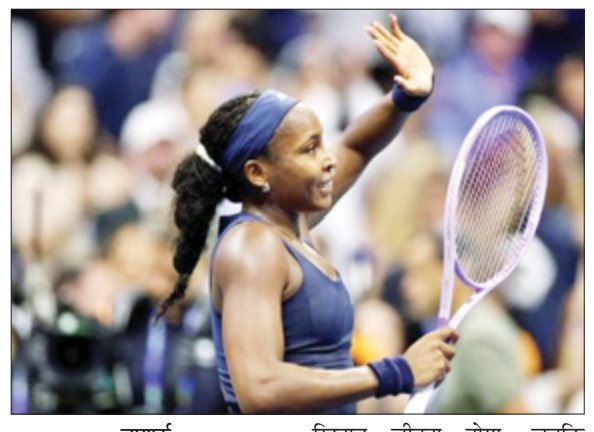

न्यूयार्क

विश्व की नंबर दो खिलाड़ी एलेना राइबाकिना, पूर्व चैंपियन कोको गाफ, मैडिसन कीज और फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा ने शानदार जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

तीसरी ग्रैंड स्लैम ट्राफी और विश्व नंबर एक रैंकिंग पर नजरें लगाए राइबाकिना ने अमेरिका की थिया फ्राडिन को 6-3, 6-2 से हराया। कजाकिस्तान की राइबाकिना ने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए।

राइबाकिना के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि इसी महीने सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनल मुकाबले से उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण हटना पड़ा था। चोट के बाद वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी फिटनेस को लेकर उठ रही चिंताओं को भी दूर किया। राइबाकिना, कोको गाफ और जेसिका पेगुला उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयार्क में आर्यना सबालेंका से विश्व नंबर एक की रैंकिंग छीन सकती हैं। गाफ को इसके लिए अपना दूसरा यूएस ओपन खिताब जीतना होगा, जबकि राइबाकिना सेमीफाइनल में पहुंचकर भी शीर्ष रैंकिंग हासिल कर सकती हैं।

गाफ ने सर्विस से किया प्रभावित

2023 की यूएस ओपन चैंपियन कोको गाफ ने तुर्किये की दुनिया की 53वें नंबर की जेनेप सोनमेज को 6-3, 6-4 से हराया। गाफ ने अपनी बेहतर हुई सर्विस का शानदार इस्तेमाल किया और शुरुआती सेट में दबदबा बनाया।

एंड्रीवा ने भी आसान जीत दर्ज की

फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा ने इंडोनेशिया की 36वें नंबर की जेनिस तिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

कीज भी दूसरे दौर में

मैडिसन कीज ने रूसी किशोरी अलीना कोर्नेएवा को 7-5, 6-4 से हराया। कीज ने मुकाबले में 21 विनर्स लगाए और अब दूसरे दौर में चेक गणराज्य की लूसी हव्लिचकोवा या हंगरी की अन्ना बोंदार से भिड़ेंगी।

घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं ऋतुराज

कोयंबटूर। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान और युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ का कहना है कि उनका ध्यान केवल रन बनाने पर है। वह जानते हैं कि घरेलू टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही वह भारतीय टीम में वापसी करने में सफल होंगे। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय बनाये रखने पर रहेगा। गायकवाड़ ने कहा, मुझे वापसी का पूरा भरोसा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे धैर्य बनाए रखते हुए आने वाले मुकाबलों में जमकर रन बनाने होंगे। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, मैं पिछले कुछ साल से लगातार रन बना रहा हूं और मुझे ये सिलसिला आगे भी बनाये रखते हुए अवसर का इंतजार करना है। गायकवाड़ के इस बयान से साफ है कि वह घरेलू क्रिकेट में वापसी का कोई अवसर नहीं छोड़ेगें। इस बल्लेबाज ने कहा कि मैच के दिन टीम का हिस्सा न होने पर भी राष्ट्रीय टीम के लिए उनका समर्थन हमेशा बना रहता है। इस क्रिकेटर ने कहा कि आप अपने देश का समर्थन ही करना चाहेंगे। अब घरेलू सत्र नजदीक आने के साथ, गायकवाड़ का ध्यान तेजी से खेल की ओर केंद्रित हो रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि व्यस्त कार्यक्रम और तैयारी के कारण वह भारतीय के हर मैच पर बारीकी से नजर नहीं रख पाते हैं।

यूएस ओपन: 40वें जन्मदिन पर मोनफिल्स ने दर्ज की शानदार जीत, कोबोली और फ्रिट्ज भी दूसरे दौर में

न्यूयार्क

फ्रांस के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स ने अपने 40वें जन्मदिन पर शानदार वापसी करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली। बारिश से बाधित मुकाबलों और रोमांचक मुकाबलों से भरे दिन में मोनफिल्स के अलावा फ्लावियो कोबोली और टेलर फ्रिट्ज ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

मोनफिल्स ने एडोल्फो डेनियल वालेहो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ उनका विदाई ग्रैंड स्लैम अभियान जारी है। शुरुआत में पिछड़ने के बाद मोनफिल्स ने शानदार वापसी की और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं।

मोनफिल्स फ्लशिंग मीडोज में मुख्य ड्रा का एकल मुकाबला जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने 1992 में अपने 40वें जन्मदिन पर जीत दर्ज करने वाले जिमी कानर्स की उपलब्धि की बराबरी की। कोर्ट पर केक तो नहीं आया, लेकिन मैच के बाद दर्शकों ने मोनफिल्स के लिए जन्मदिन का गीत गाया। मैच के बाद मोनफिल्स ने कहा, अपने 40वें जन्मदिन पर खेलना मेरे लिए बेहद खास था। आप सभी ने इसे अविश्वसनीय बना दिया। माहौल शानदार था और मैंने भी अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की।

दो सेट से पिछड़ने के बाद कोबोली की शानदार वापसी

पांचवीं वरीयता प्राप्त इटली के फ्लावियो कोबोली ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसेना के खिलाफ दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। कोबोली ने चार घंटे 13 मिनट चले मैराथन मुकाबले में 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की।

यह पहली बार था जब कोबोली ने अपने करियर में दो सेट से पिछड़ने के बाद मुकाबला जीता। निर्णायक सेट में उन्होंने शुरुआती ब्रेक गंवाने के बाद वापसी की, फिर 5-4 की बढ़त हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने शानदार फोरहैंड वाली के साथ मुकाबला समाप्त किया। कोबोली ने कहा, ग्रैंड स्लैम में मुकाबला कभी खत्म नहीं होता। आपको आखिरी अंक तक संघर्ष करना पड़ता है।

फ्रिट्ज ने दमदार सर्विस से आसान की राह

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने हमवतन डार्विन ब्लांच को 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 2024 में उपविजेता रहे फ्रिट्ज ने 18 वर्षीय वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी के खिलाफ 14 ऐस लगाए। फ्रिट्ज अब दूसरे दौर में इटली के मत्तिया बेलुच्ची का सामना करेंगे। उन्होंने मैच एक ऐसी सर्विस के साथ समाप्त किया, जिसे ब्लांच वापस नहीं कर सके।

पुजारा ने अपनी पसंदीदा टीम में इन तीन दिग्गजों को शामिल नहीं किया

मुम्बई

पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम घोषित की है। पुजारा ने इस टीम में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है। जिनके साथ उन्होंने अपने करियर में खेला था। पुजारा ने साल 2010 से 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 103 टेस्ट मैचों में 7195 रन बनाए। उन्होंने हालांकि पांच एकदिवसीय मैच भी खेले पर वह इस प्रारुप में आगे नहीं खेल पाये। पुजारा ने अपने दौर की टीम के , पांच वर्तमान खिलाड़ियों और छह पूर्व दिग्गजों को अपनी पसंदीदा टीम में शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि उनकी इस टीम में तीन दिग्गज खिलाड़ियों महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के नाम नहीं हैं।

इस टीम में पुजारा ने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को रखा है जिनके साथ उन्होंने अपने 13 साल के करियर में खेला था। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को रखा है। द्रविड़ ने साल 1996 से 2012 तक भारत के लिए 13265 टेस्ट रन बनाए, और आक्रामक बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के साथ उन्होंने साल 2001 से 2013 तक 103 टेस्ट में 8503 रन बनाये। पुजारा ने अपनी इस टीम में खुद को अपनी पसंदीदा तीसरे नंबर पर रखा है। मध्यक्रम में उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को चौथे और विराट कोहली को पांचवें नंबर पर रखा है। वहीं छठे नंबर पर पुजारा ने वीवीएस लक्ष्मण को चुना, जो अजिंक्य रहाणे की जगह लेते दिख रहे हैं। यह फैसला थोड़ा आश्चर्यजनक है क्योंकि पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में काफी समय तक रहाणे के साथ खेला। वहीं विकेटकीपर के रूप में पुजारा ने महेंद्र सिंह धोनी के बजाय युवा ऋषभ पंत को तरजीह दी है, जिसकी वजह आस्ट्रेलिया में इस बल्लेबाज के साथ उनकी कुछ यादगार साझेदारियां बताई जाती हैं। गेंदबाजी में उन्होंने दो स्पिनरों रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया है। तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को रखा है। पुजारा ने ईशांत शर्मा को 12वें खिलाड़ी के रूप में रखा और कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए वे तीन तेज गेंदबाजों के साथ भी जा सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि तेज गेंदबाजी आलराउंडर की जरूरत पड़ी तो हार्दिक पांड्या उनकी सूची में शामिल हो सकते हैं। इस चयन से यह स्पष्ट है कि पुजारा ने उन खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है जिनके साथ उन्होंने मैदान पर और बाहर गहरा संबंध साझा किया और जिनके खेल से वह व्यक्तिगत रूप से प्रभावित रहे।

पुजारा की अंतिम ग्यारह : राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, चेतेश्वर पुजारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी।